

धनद वि. (तत्.) धन देने वाला, दाता, उदार तथा दानी पुं. 1. कुबेर 2. अग्नि 3. चित्रक या चीता नामक वृक्ष 4. धनंजय नामक शरीरस्थ अग्नि तत्त्व।

धनदा वि. (तत्.) 1. धन देने वाली 2. आश्विन कृष्ण एकादशी का नाम।

धनदाक्षी स्त्री. (तत्.) लता, करंज।

धनदायी पुं. (तत्.) अग्नि।

धनदेव पुं. (तत्.) धन के स्वामी, कुबेर।

धनधान्य पुं. (तत्.) 1. धन एवं खाद्य पदार्थ से पूर्ण 2. धन और अन्न 3. वैभव, समृद्धि।

धनधाम पुं. (तत्.) रुपया-पैसा तथा घर-बार।

धनधारी पुं. (तत्.) 1. कुबेर 2. बहुत धनी।

धननाथ पुं. (तत्.) कुबेर।

धनपक्ष पुं. (तत्.) 1. बही-खाते में जमा वाला पक्ष या हिस्सा 2. हिसाब-किताब का वह पक्ष जिसमें बाहर से आने वाली पूँजी, लाभ आदि का ब्यौरा होता है। credit side

धनपति पुं. (तत्.) 1. कुबेर 2. धनवान व्यक्ति 3. पुराण के अनुसार एक वायु का नाम जिसे देवताओं में धन का रक्षक माना जाता है वि. धनहीन।

धनपत्र पुं. (तत्.) 1. बही खाता 2. शासन या सरकार द्वारा प्रचलित किया गया वह मुद्रित कागज का टुकड़ा जो सिक्कों के सदृश उनके स्थान पर लेन-देन में काम आता है।

धन पात्र पुं. (तत्.) 1. धनी व्यक्ति, धनवान 2. धन रखने का बर्तन।

धनपाल पुं. (तत्.) 1. धन का रक्षक 2. कुबेर 3. खजांची।

धनपिशाच पुं. (तत्.) दे. अर्थपिशाच।

धनपिशाची स्त्री. (तत्.) धन संग्रह की प्रबल तृष्णा।

धनप्रयोग पुं. (तत्.) 1. व्यापार में धन लगाना 2. सूद या ब्याज पर रुपया देना।

धनमद पुं. (तत्.) धन का घमंड प्रयो. लाटरी निकलने के बाद वह धनमद में चूर हो गया।

धनमान वि. (तद्.) दे. धनवान।

धनमूल पुं. (तत्.) मूलधन, पूँजी।

धनराज पुं. (तत्.) धनी, धनवान।

धनराशि स्त्री. (तत्.) 1. धन का ढेर 2. लेन-देन के काम में देय या प्राप्य रकम।

धनवंत वि. (तद्.) धनवान।

धनवती पुं. (तत्.) धन रखने वाली स्त्री. धनिष्ठा नक्षत्र।

धनवा पुं. (तद्.) एक प्रकार की घास, धनुष।

धनवाद पुं. (तत्.) मुकदमा जिसमें धन के लिए दावा किया गया हो।

धनवान वि. (तत्.) जिसके पास बहुत धन हो, धनी।

धन-विधेयक पुं. (तत्.) अर्थ से संबंधित वह विधेयक जो संसद या विधान सभा के सामने विचार के लिए रखा जाता है तथा जिसमें माँग की स्वीकृति के लिए नया कर लगाने का प्रस्ताव होता है।

धनशाली वि. (तत्.) जिसके पास धन हो, धनी।

धन-संपत्ति स्त्री. (तत्.) जमीन-जायदाद जैसी मूल्यवान वस्तुएँ जिनका क्रय-विक्रय हो सकता हो।

धनसार पुं. (तद्.) अनाज की कोठरी।

धनसुंघा पुं. (देश.) धन सूँघने वाला प्रयो. कुछ लोग धनसुंघा होते हैं तथा बिना देखे ही जान लेते हैं कि धन कहाँ है।

धनस्थान पुं. (तत्.) 1. कुंडली में लग्न से दूसरा स्थान जिसमें स्थित ग्रहों को देखकर किसी का धनवान या निर्धन होना माना जाता है 2. खजाना।

धनस्यक पुं. (तत्.) 1. धन की लालसा रखने वाला व्यक्ति 2. गोखरू वनस्पति वि. धन की लालसा रखने वाला।

धनस्वामी पुं. (तत्.) कुबेर।

धनहर पुं. (तत्.) 1. धन हरने वाला व्यक्ति, चोर, लुटेरा 2. उत्तराधिकारी 3. एक गंध द्रव्य वि. धन हरण करने वाला।